
ashrayAShTakam

अश्रयश्रुतकम्

Document Information

Text title : AshrayAShTakam

File name : aashrayaashtakam.itx

Category : aShTaka, deities_misc

Location : doc_deities_misc

Transliterated by : Antaratma antaratma at Safe-mail.net

Proofread by : Antaratma antaratma at Safe-mail.net

Latest update : April 23, 2008

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

September 14, 2022

sanskritdocuments.org

आश्रयाष्टकम्



गिरिचरं करुणामृतसागरं
परिचरं परमं भृगयापरम् ।
सुरुचिरं सुचराचरगोचरं
हरिहरात्मजमीश्वरमाश्रये ॥ १ ॥

प्रातसञ्चयचिन्तित कल्पकं
प्रातमादिगुरुं सुरशिल्पकम् ।
प्रावरञ्जित मञ्जुलतल्पकं
हरिहरात्मजमीश्वरमाश्रये ॥ २ ॥

अशिसरोरुडशंभगाद्याधरं
परिघमुद्गरबाणधनुर्धरम् ।
क्षुरिक तोमर शक्तिलसत्करं
हरिहरात्मजमीश्वरमाश्रये ॥ ३ ॥

विमलमानस सारसभास्करं
विपुलवेत्रधरं प्रयशस्करम् ।
विमतभण्डन याण्डधनुष्करं
हरिहरात्मजमीश्वरमाश्रये ॥ ४ ॥

सकललोक नमस्कृत पादुकं
सङ्कटपासक सज्जनमोदकम् ।
सुकृतभक्तजनावन दीक्षकं
हरिहरात्मजमीश्वरमाश्रये ॥ ५ ॥

शरणाकीर्तन भक्तपरायणं
चरणावारिधरात्मरसायनम् ।
वरकरात्तविभूति विभूषणं
हरिहरात्मजमीश्वरमाश्रये ॥ ६ ॥

मृगमदाङ्गित सत्तिलकोज्वलं
मृगगण्डाकलितं मृगयाकुलम् ।
मृगवरासनमद्भुत दर्शनं
हरिहरात्मजमीश्वरमाश्रये ॥ ७ ॥

गुरुवरं करुणामृत लोचनं
निरुपमं निषिलामयमोचनम् ।
पुरुसुभप्रदमात्मनिदर्शनं
हरिहरात्मजमीश्वरमाश्रये ॥ ८ ॥

एति आश्रयाष्टकं सम्पूर्णात् ॥

Encoded and proofread by Antaratma antaratma at Safe-mail.net



ashrayAShTakam

pdf was typeset on September 14, 2022



Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

